शिवसेना-भाजपा में अब होगा सत्ता संघर्ष

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 266 ■ शनिवार 17 जनवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

वंचित आघाड़ी के पास सत्ता की चाबी

भाजपा	शिवसेना	वंचित	साई पक्ष	कांग्रेस	निर्दलीय
37	36	02	01	01	01

- भाजपा व शिवसेना का दावा महापौर हमारा होगा
- साई पक्ष पैनल 16 में एक सीट पर विजयी
- राकांपा ने नहीं खोला खाता
- कांग्रेस पैनल 18 में एक सीट पर संतुष्ट
- पैनल 12 में एक निर्दलीय सविता तोरणे शिवसेना के साथ
- महापौर के आरक्षण के बाद होगा फैसला

वंचित की एंट्री

उल्हासनगर मनपा चुनाव में पैनल 18 में वंचित बहुजन आघाडी ने दो सीटें जीत ली हैं। पैनल 18 में सीट अ पर कांग्रेस की अंजलि सालवे और सीट ड पर BJP के राजेश वानखेड़े जीते। जबकि सीट ब पर वंचित की सुरेखा सोनावणे और सीट क पर विकास खरात जीते। इस जीत की वजह से वंचित बहुजन आघाडी की मनपा में एंट्री हो गई है। यहां पीपल्स रिपब्लिकन आघाडी हार गई थी। उन्हें शिवसेना आघाडी का सपोर्ट था। अब वंचित और कांग्रेस निर्णायक भूमिका में हैं।

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका के चुनाव परिणाम शुक्रवार 16 जनवरी को जब आना शुरू हुआ तो किसी ने नहीं सोचा था कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी। भाजपा ने सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 37 सीटों पर जीत हासिल की है। जबकि शिवसेना ने 36 सीट लेकर भाजपा से सत्ता छीनने के काबिल हो गई क्योंकि शिवसेना के पास पैनल 16 से साई पक्ष की एक सीट और पैनल 12 से एक निर्दलीय सीट भी अपने खाते में करते हुए 38 सीटें अपने खाते में कर ली है। शिवसेना को सत्ता बनाने के लिए अब वंचित आघाडी का सहारा लेना पड़ेगा क्योंकि पैनल 18 में वंचित बहुजन आघाडी ने 2 सीटें हासिल कर सत्ता की चाबी अपने पास कर ली है। ऐसे में भाजपा व शिवसेना दोनों ने ही महापौर का दावा ठोक दिया है। भाजपा व शिवसेना का एक साथ सत्ता में मुश्किल है। इसलिए दोनों अपने दम पर सत्ता बनाने के लिए एक वंचित आघाडी का सहारा लेंगे। वहीं महापौर आरक्षण के बाद यह पता चलेगा कि अगला महापौर कौन होगा तब तक शिवसेना-भाजपा के बीच सत्ता का संघर्ष देखने को मिलेगा।

उल्हासनगर मनपा में शिंदे की शिवसेना और BJP के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मतदान के दिन वोटों का प्रतिशत अचानक बढ़ने से सबका ध्यान इस बात पर गया कि यह परिणाम किस पार्टी के खाते में जा रहा है। काउंटिंग शुरू होने से ही सभी पार्टियों के पदाधिकारी वोटों की गिनती के लिए पवई चौक स्थित उपविभागीय में जमा हो गए थे। शुरू में देर से काउंटिंग होने की वजह से रिजल्ट आने में देरी हुई। लेकिन, धीरे-धीरे रिजल्ट आने लगे। शुरू में शिवसेना के पक्ष में बढ़त दिख रही थी। फिर BJP ने भी बाजी मार ली। काउंटिंग सेंटर के बाहर जीतने वाले उम्मीदवारों के नारों से साफ हो गया कि कौन जीता है। जय श्री राम का नारा लगते ही BJP कार्यकर्ताओं में जोश भर गया। वहीं, छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम लेते ही शिंदे की शिवसेना के कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे।

मतगणना शुरुआत में ही पैनल 4, 7, 13, 10 में शिवसेना ने बढ़त बनाई। बाद में जैसे-जैसे वार्ड 3, 8, 11, 17 में BJP ने बढ़त बनानी शुरू की, सीटों की संख्या बराबर होती गई। इसलिए मनपा में किसकी सत्ता है, यह तस्वीर साफ नहीं हो पा रही थी। पैनल 1 व 5 में BJP और शिवसेना को बराबर वोट मिले। शिवसेना ने पैनल 14 और 15 जीतकर BJP को बड़ा झटका दिया। फिर पैनल 20 में BJP ने शिवसेना को बड़ा झटका देते हुए तीनों सीटें जीत लीं। पैनल 16 के नतीजे देर शाम घोषित किए गए। इसमें साई पार्टी की दीप्ति दुधानी ने एक सीट और BJP ने तीन सीटें जीतीं। इससे BJP और शिवसेना का आंकड़ा 37-37 पर पहुंच गया।

साई पार्टी बेअसर

पिछले कुछ चुनावों में किंगमेकर की भूमिका निभाने वाली और सत्ता का संतुलन बदलने वाली साई पार्टी को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। पार्टी प्रमुख जीवन इदनानी, उनकी पत्नी, पूर्व महापौर आशा इदनानी और उनके करीबियों को करारी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि साई पार्टी शिंदे की शिवसेना और टीम ओमी कालानी के साथ गठबंधन में थी, लेकिन कई जगहों पर टीम कालानी के उम्मीदवार साई पार्टी के उम्मीदवारों के सामने शिवसेना के निशान पर मैदान में थे।

पैनल 4 क में मात्र 16 वोटों से जीती भाजपा उम्मीदवार

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 4 क सीट पर भाजपा उम्मीदवार केवल 16 वोटों से जीती हैं। भाजपा से शोभाताई जाधव को 3115 वोट मिले जबकि शिवसेना से रुपाली म्हास्के को 3099 वोट मिले। यह चुनाव में सबसे कम वोटों की जीत दर्ज हुई है।

उल्हासनगर में कालानी का गढ़ बरकरार

- कई दंपत्ति भी महानगरपालिका में

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका में कालानी परिवार अपनी मौजूदगी बनाए रखने में कामयाब रहा है। पिछली बार भाजपा के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरे कालानी इस बार शिवसेना के तीर-कमान चुनाव चिह्न पर मैदान में थे. पैनल 6, 7 और आसपास के इलाकों में कालानी ने अपना दबदबा बनाए रखा है। इस इलाके में कालानी सात सीटें जीतने में कामयाब रहे हैं। पैनल 2 में कालानी के प्रचार प्रमुख जमनू पुरसवानी अकेले जीतने में कामयाब रहे हैं। जबकि अन्य तीन सीटों पर भाजपा ने अपना परचम लहराया है। इस चुनाव में कई ने अपना गढ़ बनाए रखा है। जबकि मां-बेटे, पत्नी-पत्नी की जोड़ियां भी महानगर पालिका में जा रही हैं।

उल्हासनगर मनपा में पिछले कुछ सालों से कालानी ग्रुप ने अपना दबदबा बनाए रखा है। पहले कांग्रेस, फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, भाजपा और अब शिवसेना, सभी पार्टियों के जरिए कालानी ने चुनाव में अपना दबदबा साबित किया है। कालानी ने उल्हासनगर के पैनल 6 और 7 में अपना दबदबा दिखाया है। इस चुनाव में उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के भगवान भालेराव को भी हराया है। उन्होंने इन दो वार्डों में सात सीटें जीती हैं। कालानी ग्रुप ने पैनल 2, 9 और 12 में भी अपने समर्थकों को जिताया है। इसलिए कहा जा रहा है कि कालानी ने अपना गढ़ बनाए रखा है। इस साल कालानी परिवार से सीमा पप्पू कलानी मैदान में थीं। उन्होंने पैनल 5 से जीत हासिल की है।

शहर के कई सीनियर पूर्व नगरसेवकों ने अपने गढ़ बचाए रखे हैं। इनमें पैनल 3 से राजेंद्र सिंह भुल्लर भुल्लर, पैनल नंबर 4 से कलवंत सिंह सहोता बिट्टू, पैनल 5 से मीना आयलानी, पैनल 8 से भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया, पैनल 10 से शिवसेना के राजेंद्र चौधरी, पैनल 13, 14 और 15 से मराठी बहुल इलाकों में शिवसेना ने अपना दबदबा बनाए रखा है।

हारने वाले दिग्गज नेता

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव 2026 का इस बार कई दिग्गजों को ले डूबा। इतने चौंकाने वाले परिणाम आज तक नहीं हुए। जहां दिग्गज व पूर्व महापौर व पूर्व उपमहापौर की हार हुई है। साई पक्ष व राकांपा का नामोनिशान ही मिट गया। पैनल 5 से भाजपा के राजू जग्यासी व सेना से विक्की भुल्लर, पैनल 7 से आरपीआय के भगवान भालेराव, पैनल 11 से साई पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी व आशा इदनानी, पैनल 15 से भाजपा के धनंजय बोडारे, पैनल 16 से साई पक्ष के राजा गेमनानी, पैनल 17 से भारत गंगोत्री, पैनल 19 और पैनल 20 में विजू पाटील व किशोर वनवारी तथा पूर्व महापौर अपेक्षा पाटील का समावेश है।

पैनल 6 में सेना की जया प्रकाश माखीजा 57 वोटों से विजयी

उल्हासनगर। भाजपा से शिवसेना में गए प्रकाश माखीजा की पत्नी जया प्रकाश माखीजा ने पैनल 6 से 57 वोटों से जीत हासिल की है। मनपा चुनाव में सबसे धनी उम्मीदवार भाजपा की हेमा पिंजानी को 6715 वोट मिले जबकि जया प्रकाश माखीजा को 6772 मिले। इस पैनल पर सबकी निगाहें टिकी हुई थी। यहां पर शिवसेना से महेश सुखरामानी, प्रेरणा अजित माखीजानी और विक्की सिंह लबाना चुनाव जीत गए हैं। भाजपा को यह बड़ा झटका लगा है।

पैनल 7 में पूर्व उपमहापौर भगवान भालेराव तीसरे स्थान पर आए उनको शिवसेना के 24 वर्षीय उम्मीदवार 23 वर्षीय मयूर प्रभु लहाने ने भी पटखनी दे दी। वहीं पैनल 2 में शिवसेना उम्मीदवार जमनू पुरस्वानी केवल 129 वोटों से जीते हैं उन्हें भी युवा उम्मीदवार भरत शिवनानी ने कड़ी टक्कर दी।

विजयी उम्मीदवार व प्राप्त मत

विजयी उम्मीदवार	दल	प्राप्त मत
पैनल 1		
(अ) अर्चना करणकाले	भाजपा	4769
(ब) पूजा भोईर	शिवसेना	5350
(क) भावना ओवलेकर	भाजपा	5170
(ड) दिलीप गायकवाड़	शिवसेना	3523
पैनल 2		
(अ) हरीश कनौजिया	भाजपा	5299
(ब) मीना कौर लबाना	भाजपा	5220
(क) संध्या मराठे	भाजपा	5225
(ड) जमनू पुरस्वानी	शिवसेना	4863
पैनल 3		
(अ) संगीता कंडारे	शिवसेना	6183
(ब) वंदना भदाने	शिवसेना	5117
(क) चरणजीत कौर भुल्लर	शिवसेना	6033
(ड) राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज	शिवसेना	6111
पैनल 4		
(अ) नाना बागुल	शिवसेना	2923
(ब) सुरेखा आव्हाड	भाजपा	3125
(क) शोभा जाधव	भाजपा	3115
(ड) कुलवंत सिंह सोहता	शिवसेना	2889
पैनल 5		
(अ) दिलीप जगयासी	शिवसेना	4685
(ब) मीना कुमार आयलानी	भाजपा	5102
(क) सीमा कालानी	शिवसेना	4730
(ड) नंद छापरु	भाजपा	4514
पैनल 6		
(अ) विक्की लबाना	शिवसेना	6742
(ब) प्रेरणा मखीजानी	शिवसेना	7840
(क) जया प्रकाश माखीजा	शिवसेना	6772
(ड) महेश सुखरमानी	शिवसेना	6921
पैनल 7		
(अ) संघ मित्रा विशाल हजारे	शिवसेना	3441
(ब) अश्विनी निकम	शिवसेना	5001
(क) दुर्गा दिनेश राय	शिवसेना	3492
(ड) सुचित्रा संतोष यादव	भाजपा	3652
पैनल 8		
(अ) छाया अडसूल	भाजपा	5721
(ब) ज्योति पाटिल	भाजपा	6258
(क) संजय सिंह	भाजपा	5930
(ड) राजेश वधारिया	भाजपा	5521
पैनल 9		
(अ) डिंपल नरेंद्र ठाकुर	शिवसेना	4092
(ब) दीपा पंजाबी	भाजपा	3792
(क) आकाश सुमीत चक्रवर्ती	शिवसेना	4193
पैनल 10		
(अ) रविंद्र निकम	शिवसेना	5399
(ब) राजश्री राजेंद्र चौधरी	शिवसेना	5662
(क) भावना गिडवानी	भाजपा	4758
(ड) राजेंद्र चौधरी	शिवसेना	5265
पैनल 11		
(अ) प्रीति माखीजा	भाजपा	6441
(ब) रवि जगयासी	भाजपा	6823
(क) कविता पंजाबी	भाजपा	6198
(ड) प्रवीण किशनानी	भाजपा	5986
पैनल 12		
(अ) सविता रगड़े तोरणे	निर्दलीय	3927
(ब) कैलाश दत्तू म्हात्रे	भाजपा	2666
(क) ज्योति बठीजा	भाजपा	4930
(ड) दीपक टोनी शिरवानी	भाजपा	4881
पैनल 13		
(अ) सूरज कांबले	शिवसेना	3639
(ब) ज्योत्सना जाधव	शिवसेना	6590
(क) कांता पवार	शिवसेना	3324
(ड) प्रदीप गोडसे	शिवसेना	6345
पैनल 14		
(अ) लीलाबाई आशान	शिवसेना	5218
(ब) सोनू चानपुर	शिवसेना	4885
(क) साक्षी सुर्वे	शिवसेना	4724
(ड) शेखर यादव	शिवसेना	4343
पैनल 15		
(अ) संगीता सपकाले	शिवसेना	5533
(ब) इंदिरा पाटिल	शिवसेना	5784
(क) काजल जगयासी	शिवसेना	5803
(ड) अरुण आशान	शिवसेना	5969
पैनल 16		
(अ) दीप्ति दुधानी	साई पक्ष	4905
(ब) अनंता फूलचंदानी	भाजपा	5434
(क) कंचन लुंड	भाजपा	5936
(ड) शंकर लुंड	भाजपा	5477
पैनल 17		
(अ) रविंद्र परमार	भाजपा	4222
(ब) नेनसी उदासी	भाजपा	4522
(क) सुहाना जैसवानी	भाजपा	4491
(ड) अमर लुंड	भाजपा	3712
पैनल 18		
(अ) अंजली सालवे	कांग्रेस	2993
(ब) सुरेखा सोनावने	बहुजन वंचित	3017
(क) विकास खरात	बहुजन वंचित	2572
(ब) राजेश वानखेड़े	भाजपा	2727
पैनल 19		
(अ) विपुल मयेकर	भाजपा	4182
(ब) मीना सोंडे	शिवसेना	3281
(क) रत्नमाला दुर्गे	भाजपा	4856
(ड) राजू गोपालानी	भाजपा	4722
पैनल 20		
(अ) सुनीता काकडे	भाजपा	3254
(ब) ललिता पाटिल	भाजपा	3544
(क) प्रधान पाटिल	भाजपा	3889

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

साइबर ठगों का बढ़ता जाल

भारत में साइबर धोखाधड़ी नहीं थम पा रही, तो आखिर इसकी वजह क्या है? वर्तमान समय में इस अपराध के इतने स्वरूप हैं कि पीड़ित व्यक्ति ठगों की साजिश को एकबारगी समझ नहीं पाता और वह जीवन भर की कमाई लुटा बैठता है। यही वजह है कि साइबर अपराधी हर वर्ष लोगों को करोड़ों की चपत लगा रहे हैं।

विश्व आर्थिक मंच ने दावोस बैठक से पहले अपनी 'वार्षिक जोखिम रपट' में भारत में बढ़ती इसी साइबर असुरक्षा को लेकर आगाह किया है। मंच ने गलत सूचनाओं और भ्रामक जानकारियों के प्रसार पर भी चिंता जताई है। वहीं भारत के मामले में एक अध्ययन ने शीर्ष पांच जोखिमों की पहचान की है, जिनमें साइबर असुरक्षा को विशेष रूप से शामिल किया है।

दरअसल, देश में इस असुरक्षा के लगातार बढ़ते जाने की एक बड़ी वजह यह है कि ठगों ने देश से लेकर विदेश तक अपना जाल बिछा लिया है। इस लिहाज से यह न सिर्फ तकनीकी समस्या है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मसला भी है।

चिंता की बात यह है कि हम साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए निगरानी तंत्र आज तक मजबूत नहीं कर पाए हैं। नागरिकों में भी डिजिटल साक्षरता का अभाव दिखता है। एक गंभीर समस्या डिजिटल रूप से बदले गए वीडियो और चित्रों की भी है जो आज नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। इसको लेकर भी विश्व आर्थिक मंच ने चिंता जताई है। ऐसे कई विवादित वीडियो सामने आ चुके हैं। अगर साइबर अपराधियों का हौसला बढ़ा है, तो यह व्यवस्था की खामी है।

हैरत की बात है कि अपराधियों के संजाल तक पहुंचने की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में साइबर असुरक्षा लगातार बढ़ती चली गई है। आखिर क्या कारण है कि हम धोखेबाजों के असल ठिकानों पर नहीं पहुंच पा रहे हैं? भारत में इस असुरक्षा का जोखिम इसलिए भी गहरा है, क्योंकि लोगों के पास सजगता और व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने जैसे सीमित विकल्प ही हैं। दोराय नहीं कि अब सरकार को सख्ती बरतनी होगी। साइबर अपराध के संजाल को तोड़ने का वक्त आ गया है।

अस्थिरता के दौर में आम बजट से अपेक्षाएं

आम बजट में अब एक पखवाड़ा ही शेष बचा है। इससे पहले आर्थिक मोर्चे पर दो विरोधाभासी तस्वीरें दिख रही हैं। एक ओर जहां भारत तेजी से वृद्धि कर रहा है, वहीं सरकार वित्तीय मोर्चे पर अपेक्षाकृत सतर्क दिखाई दे रही है। वह खर्च से लेकर उधारी और कल्याणकारी वादों के प्रति सावधान है। वैसे तो ये दोनों परिदृश्य अपनी-अपनी जगह पर सही हैं, लेकिन अधिकांश लोग इसे समझ नहीं पाते। इसके पीछे एक बड़ा कारण यह पता नहीं होना है कि अर्थव्यवस्था जिस गति से वृद्धि कर रही है, क्या उसी अनुपात में संसाधनों का भी सृजन हो पा रहा है या नहीं?

अच्छे परिदृश्य की पहले चर्चा करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह पिछले वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक होगी। कुछ ही दिन पहले दूसरी तिमाही के आंकड़े भी आए थे, जिनमें 8.2 प्रतिशत की गजब की तेजी दिखी थी। यह वृद्धि सामान्य जनजीवन में भी नजर आती है। वाहनों की बिक्री बढ़ रही है। हवाई यात्रा में तेजी आई है। वित्त, परिवहन, आतिथ्य सत्कार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का निरंतर विस्तार हो रहा है। बेरोजगारी में कमी आई है और मनरेगा (जो अब बीवी-जी-राम जी है) के तहत काम की तलाश घटी है। स्पष्ट है कि लोग कहीं बेहतर विकल्प खोज रहे हैं, जो सकारात्मक संकेत है।

हालिया आंकड़ों के अपवाद को छोड़ दिया तो महंगाई का रुख भी

नरम है। खाद्य कीमतों से लेकर ईंधन की दरों में स्थिरता बनी हुई है। इससे घरेलू बजट पर दबाव घटा है और रिजर्व बैंक के लिए ब्याज दरें घटाने की गुंजाइश बढ़ी है। अगर लोगों के नजरिये से देखा जाए तो ऊंची वृद्धि और नरम महंगाई की स्थिति बहुत अनुकूल कही जाएगी। तब फिर चिंता किस बात को लेकर है? असल समस्या वृद्धि में नहीं, बल्कि आमदनी के स्तर पर है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अर्थव्यवस्था अधिक वस्तुएं और सेवाएं तो उत्पन्न कर रही है, लेकिन उनका कुल मूल्य उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है।

बढ़ना तो दूर कुछ क्षेत्रों में तो कीमतें गिर रही हैं। यह सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन इसके अपने निहितार्थ होते हैं, जिनकी कुछ दूसरे मोर्चों पर कीमत चुकानी पड़ती है। चाहे जीएसटी हो, आयकर हो या कारपोरेट कर, उन पर राजस्व की प्राप्ति लेनदेन के आधार पर ही निर्भर करती है। जब लेनदेन में वृद्धि धीमी होती है तो कर संग्रह भी धीमा हो जाता है। देखा जाए तो पिछले वर्ष की तुलना में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर वृद्धि में कुछ कमजोरी का रुझान है। सरकारी आमदनी भले ही घट जाए, लेकिन वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और कल्याणकारी योजनाओं की देनदारी तो जस की तस बनी रहती है। जब सरकार ने सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, आवास और ऊर्जा आदि में बड़े निवेश के इरादे जताए हों तो संसाधनों की आवश्यकता स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। इसलिए कोई हैरानी की बात नहीं कि सरकार एक मुश्किल संतुलन साधने की चुनौती का सामना कर रही है। अगर राजस्व प्राप्ति में कुछ संकुचन दिखता है तो जाहिर है कि उसे या तो अधिक उधारी लेनी पड़ेगी या किसी अन्य मोर्चे पर कटौती का विकल्प अपनाना होगा। नई महत्वाकांक्षी घोषणाओं को लेकर भी संयम बरतना पड़ेगा। आगामी बजट के समक्ष इन चुनौतियों से पार पाने की भी एक बड़ी चुनौती होगी। इस कहानी में कई पेच और भी हैं।

एक पेच वृद्धि की असमान प्रकृति से भी जुड़ा है। शहरी उपभोग में तेजी बनी हुई है। एक तबका बड़ी तादाद में नई कारें खरीद रहा है तो आलीशान सैर-सपाटे पर खर्च में भी उसे संकोच नहीं। दूसरी ओर, विनिर्माण जैसा महत्वपूर्ण क्षेत्र सुस्ती का शिकार बना हुआ है। हाल में बिजली की मांग में कमी आई है। इसका एक कारण मौसमी भी हो सकता है, लेकिन कुछ औद्योगिक गतिविधियों में शिथिलता को अनदेखा नहीं किया जा सकता। विनिर्माण की महत्ता को इस कारण भी उपेक्षित नहीं किया जा सकता, क्योंकि न केवल इससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होता है, बल्कि इससे कर राजस्व को लेकर भी कहीं अधिक निरंतरता बनी रहती है।

जैसे एक पौधे को बढ़ने के लिए धूप चाहिए, वैसे ही हमारी आत्मा को भी आंतरिक ज्योति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ईरान में बढ़ता संकट, हवाई क्षेत्र बंद

ईरान संकट गहरा गया है। अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने के बीच उसने व्यावसायिक विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं। भारत के लिए यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अमेरिका के साथ ईरान की कटुता को देखते हुए साफ है कि वहां के हालात बदतर होते गए हैं।

ऐसे में नई दिल्ली ने अपना राजनयिक दृष्टिकोण सतर्क और व्यावहारिक रखा। भारत ने ईरान के राजनीतिक नेतृत्व के साथ संपर्क बनाए रखा, ताकि रणनीतिक सहयोग को अल्पकालिक उथल-पुथल से बचाया जा सके। अब जबकि हालात बेकाबू हो रहे हैं, वहां फंसे दस हजार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि उनके अधिकारी विभिन्न इलाकों में जाकर भारतीयों से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें निकालकर स्वदेश लाने पर काम हो रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वहां से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी पूरी है और शुक्रवार को पहला जत्था भारत पहुंच जाएगा।

ईरान में सत्ता प्रतिष्ठान जनता और सूचना दोनों पर नियंत्रण खोने से चिंतित है। न सिर्फ नागरिकों का सवाल है, वहां के पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंता हर तरह से बढ़ा दी है। भारत की सबसे बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना है, जिसमें उसने करोड़ों डालर का निवेश किया है। यह परियोजना पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार का काम करती है। ईरान में लंबे समय से जारी अस्थिरता इस परियोजना की समयबद्धता और रणनीतिक महत्त्व को खतरे में डालती है, विशेष रूप से चाबहार-जाहेदान रेलवे लाइन को।

अशांत माहौल चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर भी दे सकता है, जिससे भारत की क्षेत्रीय और समुद्री स्थिति पर सवाल खड़े हो सकते हैं। क्षेत्रीय समीकरण के अलावा भारत के ऊर्जा हित भी दांव पर हैं, क्योंकि ईरान में राजनीतिक उथल-पुथल क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों को बाधित कर सकती है और भविष्य के सहयोग को सीमित कर सकती है।

नई चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसद शुल्क से जुड़ी है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। वह वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाता रहा है। इस नाते उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना। तेहरान की स्थिति जटिल दिख रही है। भारत और ईरान के रिश्ते कभी विचारधारा से संचालित नहीं रहे।

ये संबंध भूगोल, पहुंच और क्षेत्रीय संतुलन की जरूरत से बने हैं। ईरान में किसी भी तरह का बड़ा झटका भारत की वर्षों से साधी गई व्यापारिक राहों, कूटनीतिक समीकरणों और सुरक्षा गणनाओं को प्रभावित कर सकता है। यदि स्थिति और बिगड़ती है तो तेल बाजार में अस्थिरता, कीमतों में उछाल और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ना तय है। साथ ही, शरणार्थियों की अप्रत्याशित भीड़ और क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों में बदलाव की आशंका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

ऊंटनी को बना दिया ड्राइंग बुक, बाल काट उकेर दी नक्काशी

जरा हट के

राजस्थान की रेतीली धरती पर ऊंट सिर्फ सवारी का साधन नहीं, बल्कि गर्व और संस्कृति का प्रतीक है. यहां रायका और रबारी जैसे नोमैड समुदाय अपनी ऊंटों को उत्सवों के लिए इतना खूबसूरत बनाते हैं कि वो चलता-फिरता आर्ट गैलरी लगती हैं!

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक ऊंटनी का वीडियो तहलका मचा रहा है. वीडियो में उसके शरीर पर बाल काटकर उकेरी गई बेमिसाल नक्काशी देखकर लोग मुंह से 'वाह!' कह रहे हैं। ये कला 'कैमल फर कटिंग' या 'कैमल हेयर आर्ट' कहलाती है, जो बीकानेर कैमल फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण बनी थी.

सालों से निभा रहे परंपरा

ये परंपरा सदियों पुरानी है. थार मरुस्थल के लोग ऊंटों को गहनों, झालरों और सबसे खास – बालों पर नक्काशी से सजाते हैं. कैंची और ब्लेड से बालों को सावधानी से काटकर

ज्योमेट्रिक पैटर्न, फूल-पत्तियां, जाली, मोर, मंदिर, मुगल गार्डन, राजस्थानी योद्धा या यहां तक कि राम-सीता, हनुमान जैसे धार्मिक मोटिफ्स बनाए जाते हैं. कुछ ऊंटों पर 'ओंट उत्सव बीकानेर' जैसे हिंदी शब्द भी उकेरे जाते हैं. ये काम धैर्य की परीक्षा है. फोटोग्राफर ओसाकाबे यासुओ और अन्य एक्सपर्ट्स बताते हैं कि एक परफेक्ट डिजाइन में 3 साल लग सकते हैं. पहले 2 साल बालों को बढ़ाने, ट्रिम करने और मोटाई सेट करने में और अंतिम साल में डिटेल्ड कार्विंग और कभी-कभी डाई से रंग भरने में बीत जाते हैं.

बीकानेर इंटरनेशनल कैमल फेस्टिवल में ये आर्ट कंपटीशन का हिस्सा है. यहां 'बेस्ट कैमल हेयर कट' कैटेगरी में लोग अपनी ऊंटों को शोकेस करते हैं. हाल के फेस्टिवल्स में कलाकार हरिराम जैसे मशहूर नाम 25 साल से ये कला कर रहे हैं, जहां ऊंट पर तिरंगा, जूनागढ़ किला या महाराजा गंगासिंह जैसी डिजाइन उकेरी गईं. यहां तक कि 5वीं क्लास की छात्रा आलिया ने भी ऊंट पर करणी माताजी और महाराजा की तस्वीर बनाकर सबको चौंका दिया. जापानी हेयरड्रेसर मेघुमी टेकीची भी सालों से बीकानेर आकर ये कला सीखती और कॉम्पिटिशन में पार्टिसिपेट करती हैं, जहां

अमरूद की चटनी

खाना-खजाना

आसान होता है। अगर आप भी लंच में दाल चावल के साथ अमरूद की चटपटी चटनी खाना चाहते हैं तो फॉलो करें ये कुकिंग टिप्स।

■ नमक स्वादानुसार

चटनी बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स–

अमरूद की चटपटी चटनी बनाने के लिए सबसे पहले अमरूद धोकर उसे छोटे-छोट टुकड़ों में काट लें। इसके बाद हरी मिर्च काटकर लहसुन और अदरक को भी छीलकर अलग रख लें। अब नमक के साथ हरी मिर्च,अदरक और लहसुन को अच्छी तरह कूट लें। इसके बाद मिक्सी में अमरूद और नमक डालकर पेस्ट तैयार कर लें। अमरूद के इस पेस्ट को बाउल में निकालकर कूटी हुई सामग्री को भी इसमें मिला लें। आपकी टेस्टी अमरूद की चटपटी चटनी बनकर तैयार है। आप इस चटनी को एयर टाइट कंटेनर में भी स्टोर करके रख सकते हैं।

दिर्यों में धूप में बैठकर काले नमक के साथ अमरूद खाने का मजा बेहद खास होता है। अमरूद में कार्बोहाइड्रेट,फाइबर और प्रोटीन जैसे कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते है,जो शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। आपने आज तक अमरूद के फ्रूट चाट से लेकर उसके अचार तक का स्वाद तो कई बार चखा होगा लेकिन क्या आपने कभी अमरूद से बनी चटपटी चटनी भी क्या कभी खाई है? अमरूद की चटनी ना सिर्फ खाने में बेहद टेस्टी होती है बल्कि इसे बनाना भी बेहद

■ अमरूद की चटनी बनाने के लिए सामग्री–

- 2 कप अमरूद
- 5 लहसुन की कलियां
- 10 हरी मिर्च
- 1 इंच बड़ा अदरक का टुकड़ा

बीपी रोगियों के लिए वरदान से कम नहीं हैं काले तिल

आपकी रसोई में रखे तिल, पूजा से लेकर टेस्टी डिशेज बनाने तक में काम आते हैं। आमतौर पर तिल दो तरह के देखने को मिलते हैं-काले और सफेद। घर की महिलाएं सफेद तिल का इस्तेमाल लड्डू और चिली पोटैटो जैसी रेसिपीज को बनाने के लिए करती हैं। जबकि काले तिल पूजा के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, काले तिल सिर्फ आपकी आस्था का ही नहीं बल्कि आपकी सेहत का भी उतना ही ध्यान रखते हैं। जी हां, काले तिल में कैल्शियम,पॉलीसैचुरेटेड फैटी एसिड,ओमेगा-6, फाइबर, आयरन, आयरन,कैल्शियम,मैग्नीशियम, फॉस्फोरस जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो बीपी कंट्रोल करने से लेकर मेंटल हेल्थ को अच्छा बनाए रखने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं काले तिल का सेवन करने से सेहत को मिलते हैं क्या-क्या गजब के लाभ।

■ सेहत को मिलते हैं ये फायदे-

■ मजबूत हड्डियां

सर्दियों के मौसम में काले तिल का सेवन करने से हड्डियां भी मजबूत बनी रहती हैं। काले तिल में मौजूद कैल्शियम की मात्रा हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करती हैं। सर्दियों में इसका सेवन करने से जोड़ों और हड्डियों में दर्द की समस्या में राहत मिलती है। बता दें, गठिया के मरीजों के लिए भी काले तिल का सेवन बेहद फायदेमंद हो सकता है।

■ मजबूत पाचन तंत्र

सर्दियों में पाचन संबंधी समस्याएं व्यक्ति को काफी परेशान करती हैं। ऐसे में काले तिल का सेवन आपकी समस्या को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है। काले तिल में फाइबर मौजूद होता है,जो पाचन तंत्र को मजबूत बनकर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने का काम करता है। जिससे कब्ज और अपच जैसी समस्याएं दूर होती हैं।

■ दिमागी सेहत–

काले तिल में विटामिन बी6, मैग्नीशियम जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो दिमागी सेहत को अच्छा बनाए रखने में मदद करते हैं। काले तिल का सेवन करने से दिमाग तेज होता है।

■ इम्यूनिटी बूस्ट–

सर्दियों के मौसम में काले तिल का सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। काले तिल में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं, जो इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करते हैं। जिससे मौसमी बीमारियों और संक्रमण जैसे सर्दी-जुकाम का जोखिम कम होता है।

■ दिल की सेहत–

काले तिल में पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करने में मदद करते हैं। जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है।

आज का राशिफल

मेष : व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। कार्यभार व अधिकार में वृद्धि हो सकती है।समय की अनुकूलता का लाभ लें।

वृषभ : व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। बकहासुनी हो सकती है।

मिथुन : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है। आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। थकान व कमजोरी रह सकते हैं।

कर्क : भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

सिंह : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा।

कन्या : जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा।

तुला : नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें।

वृश्चिक : योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। रुके कार्यों में गति आएगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

धनु : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर : आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। जल्दबाजी से बचें।

कुंभ : घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे। भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी।

मीन : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि भी आशंका है। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बची हुई चायपत्ती का इस्तेमाल करके

चमक जाएगा चेहरा

भारतीय किचन में कई ऐसी चीजें मौजूद होती है, जिनका इस्तेमाल स्किन और हेयर केयर के लिए किया जा सकता है। चाय बनाने के बाद अक्सर बची हुई चाय पत्ती को फेंक दिया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस बची हुई चायपत्ती का इस्तेमाल स्किन केयर में करने से चेहरा चमकने लगेगा। अगर आप इसका सही इस्तेमाल करेंगे तो आपको शानदार फर्क दिखेगा।

दाग-धब्बे होंगे दूर– चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के लिए चायपत्ती का इस्तेमाल करें। दाग-धब्बे, झुर्रियां, ओपन पोर्स से निपटने में मदद मिलेगी। इसके इस्तेमाल के लिए चायपत्ती में एलोवेरा जेल को मिक्सर में पीस लें। इसके तैयार होने के बाद चेहरे की मसाज करें।

फटी एड़ियों के लिए करें यूज– एड़ियों के फटने की समस्या कॉमन है, जो सर्दियों में बढ़ जाती है। ये डेड सेल और गंदगी के कारण होता है। इस समस्या से निपटना बेहद जरूरी है। ऐसे में आप बची हुई चायपत्ती का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए चाय पत्ती को धोकर उसमें ओट्स और नारियल तेल को मिक्स कर दें। अब इससे एड़ियों को अच्छी तरह से स्क्रब करें। स्क्रबिंग के अच्छे रिजल्ट के लिए पहले पैरों को गुनगुने पानी में डिप करें और फिर स्क्रब करें।

घुटने और कोहनी के कालापन होगा दूर– काले घुटने और कोहनी को साफ करने के लिए चाय पत्ती का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले बची हुई चायपत्ती को धूप में सुखा लें। फिर इसे दरदरा पीस लें और उसमें बेकिंग सोडा मिक्स करें। मिक्स करने के बाद कोहनी और घुटनों को अच्छी तरह से स्क्रब करें। नियमित तौर पर इसके इस्तेमाल से फर्क दिखेगा।

शरीर को करें साफ– बची हुई चायपत्ती से बॉडी स्क्रब बना सकते हैं। इसके लिए इसे पानी से साफ करें और फिर छान लें। अब इसमें तेल मिक्स करें और फिर बॉडी स्क्रब करें। इस स्क्रब की मदद की डेड सेल्स हटाने में मदद मिलेगी।

घी के धोखे में कहीं आप भी बटर ऑयल तो नहीं कर रहीं इस्तेमाल?

■ जानिए कैसे कर सकती हैं पहचान

उत्तर भारतीय घरों में दाल और रोटी में घी एड करने की परंपरा रही है। पर्व-त्योहारों पर खासकर घी की मिठाइयां व अन्य व्यंजन तैयार किए जाते हैं। कहते हैं कि घी से न सिर्फ खाने का स्वाद कई गुणा बढ़ जाता है, बल्कि इसके सेवन से याददाश्त और तार्किक क्षमता भी बढ़ती है। यह शरीर में बनने वाले वात के प्रभाव को कम करने में मदद करने के साथ ही डाइजेशन में सुधार लाता है। जिन्हें कब्ज की शिकायत होती है, उन्हें घी मिश्रित दूध के सेवन की सलाह दी जाती है। लेकिन इन दिनों शादी समारोहों, होटल, रेस्तरां, ढाबों आदि में मिलने वाले चाट, स्नैक, पराठे घी की बजाए बटर ऑयल में ही तले जा रहे हैं। आइए जानते हैं क्या है बटर ऑयल, जिसकी घी में मिलावट की जा रही है।

■ क्या है बटर ऑयल?

मशीन के जरिये जब कच्चे दूध से क्रीम निकालकर उसे हल्का गर्म करके अलग किया जाता है, तो उसे बटर ऑयल कहते हैं। यानी यह शुद्ध मिल्क फैट है, जिसमें कोई रंग नहीं होता है। डेयरी उत्पादों में बटर ऑयल मिल्क फैट का सबसे

समृद्ध स्रोत है, जिसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन ए, डी, ई और के-12 पाए जाते हैं।

■ क्यों की जाती है बटर ऑयल की देसी घी में मिलावट?

सेहत के लिए फायदेमंद माने जाने वाले घी की बढ़ती मांग को देखते हुए इसमें अन्य पदार्थों की मिलावट की जाती है। इसमें बटर ऑयल भी शामिल है। दरअसल, बटर ऑयल कई फ्लेवर्स में आते हैं। इसमें एक खास प्रकार की सुगंध होती है। इससे बेक्ड फूड्स, सॉसेज एवं अन्य प्रकार के फूड आइटम्स का स्वाद बढ़ने का दावा किया जाता है। इसके अलावा, मॉडरेट हीट कुकिंग के लिए बटर ऑयल ज्यादा मुफीद माना जाता है। यह देसी घी की तुलना में सस्ता होता है।

■ सेहत पर इसका क्या असर पड़ सकता है?

भारत में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार, बटर ऑयल का इस्तेमाल डाइटरी सप्लीमेंट के तौर पर किया जाता है। इससे डाइजेशन अच्छा रहता है। स्किन में चमक आती है। साथ ही यह आपके एनर्जी लेवल को भी बढ़ाता है।

■ कैसे करें घी में बटर आयल के

सबसे पहले मीडियम फ्लेम पर एक पैन रखें। इसे कुछ देर तक गर्म होने दें और फिर इसमें एक चम्मच घी डाल दें। अगर घी तुरंत पिघल जाए और गहरे भूरे रंग का हो जाए, तो समझें कि इसमें मिलावट नहीं है।

दूसरी ओर यदि घी पिघलने में समय लेता है और पीला हो जाता है तो यह मिलावटी है।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

लखनऊ के बसंत कुंज योजना में लगी आग, लोगों ने बिल्डिंग से कूद कर बचाई जान

लखनऊ. यूपी की राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बसंत कुंज योजना के ब्लॉक-39 स्थित एक बहुमंजिला इमारत के फ्लैट में शुक्रवार को भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी इमारत घने काले धुएं से भर गई, जिससे वहां रह रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए बिल्डिंग से कूदने लगे। एक युवक ने कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि अन्य लोग मदद के लिए चीखते रहे। स्थानीय फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

गेस्ट हाउस में ब्वॉयफ्रेंड के साथ पकड़ी गई पत्नी, पुलिस लेकर पहुंचा पति, बेड के नीचे छिप गया प्रेमी

झांसी. यूपी के झांसी से सनसनीखेज मामला सामने आया है। काफी समय से अपने पति से अलग रही रही एक महिला अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ गेस्ट हाउस पहुंची। दोनों एक कमरे के अंदर थे। पति को जब इसकी जानकारी मिली तो वह पुलिस लेकर गेस्ट हाउस पहुंच गया। पति ने पत्नी को रंगे हाथ पकड़ लिया। पुलिस को देखकर महिला का प्रेमी बेड के नीचे छिप गया। पति के साथ पुलिस को देखकर महिला आक्रोशित हो गई और उसने जमकर हंगामा किया। हालांकि पुलिस ने महिला को समझाने का प्रयास किया लेकिन महिला उल्टे पुलिस पर ही बिफर पड़ी। महिला बोली-अब वह पति के साथ नहीं रहती। उसे तलाक देने को तैयार हूं। गेस्ट हाउस में हो रहे हंगामे का वीडियो किसी ने बनाया और फिर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। हालांकि हिन्दुस्तान इस तरह के किसी वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। पुलिस महिला को थाने लेकर आई और मामले को शांत कराने का प्रयास करती रही।

ज्वैलरी कारोबारी ने की आत्महत्या, सर्राफा बाजार के भाव में उतार-चढ़ाव को लेकर थे परेशान

लखनऊ. लखनऊ के चौपटिया इलाके में रहने वाले ज्वैलरी कारोबारी मनोज ने शुक्रवार को आत्महत्या कर ली। उनका शव घर के अंदर आंगन में जाल के सहारे रस्सी से फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, जबकि सर्राफा बाजार में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि हाल के दिनों में बाजार की स्थिति और आभूषणों के भाव में उतार-चढ़ाव को लेकर वह काफी परेशान रहते थे। मनोज की चौक स्थित कुंदन मार्केट में आभूषणों की दुकान थी और वह लंबे समय से इसी व्यवसाय से जुड़े हुए थे। शुक्रवार सुबह जब परिजन जागे तो उन्होंने आंगन में मनोज को फंदे से लटका देखा। यह दृश्य देखते ही परिजनों की चीख निकल पड़ी। आनन-फानन में उन्हें फंदे से उतारकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पत्नी ने नहीं खोला दरवाजा तो पति ने ससुराल की चौखट पर जहर खाकर दी जान

कानपुर. यूपी के कानपुर में करीब सवा दो साल से मायके में रह रही पत्नी से मिलने पहुंचे युवक ने उसकी चौखट में जहर खाकर जान दे दी। दरअसल, पत्नी ने मिलने से इनकार करते हुए दरवाजा तक नहीं खोला था। युवक अपने परिवार का इकलौता बेटा था।

हनुमंत विहार के आनंद विहार निवासी जय कुमार केवट राजमिस्त्री है। परिवार में पत्नी ईशा, चार बेटियां और 25 वर्षीय इकलौता बेटा विक्रम था। पिता ने बताया कि विक्रम अपनी ऑटो चलाता था। आठ साल से बेटे का रामादेवी देहली पुलिया के पास रहने वाली रिया से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। करीब ढाई साल पहले दोनों ने घर वालों को बताए बिना प्रेम विवाह कर लिया।

BJP को 20 जनवरी को नया अध्यक्ष मिलेगा

- चुनाव का नोटिफिकेशन जारी
- कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन चुने जा सकते हैं

नई दिल्ली. भाजपा को 20 जनवरी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। पार्टी ने इसके लिए शुक्रवार को नोटिफिकेशन जारी किया। इसके मुताबिक 19 जनवरी को नामांकन भरा जाएगा। 20 जनवरी को नए पार्टी अध्यक्ष का ऐलान होगा। अभी नितिन नबीन पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। पार्टी उन्हें ही निर्विरोध अध्यक्ष चुन सकती है।

न्यूज एजेंसी ANI ने 13 जनवरी को सूत्रों के हवाले से खबर दी थी कि नितिन नबीन 19 जनवरी को नामांकन भरेंगे। नितिन नबीन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया गया था। भाजपा ने साल 2020 में जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया था। 2024 में उनका कार्यकाल खत्म हुआ था। तब से वे एक्सटेंशन पर थे। नड्डा अभी केंद्र में स्वास्थ्य मंत्रालय संभाल रहे हैं।

- BJP के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर ने शेड्यूल जारी किया

बीजेपी के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के लक्ष्मण ने चुनाव का शेड्यूल जारी किया। इसके मुताबिक, पार्टी प्रमुख के चुनाव के लिए नॉमिनेशन 19 जनवरी को दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच भरे जाएंगे और उम्मीदवार उसी दिन शाम 5 बजे से 6 बजे के बीच अपना नॉमिनेशन वापस ले सकते हैं। लक्ष्मण ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो 20 जनवरी को वोटिंग होगी और उसी दिन नए चुने गए राष्ट्रीय अध्यक्ष की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में ही होगी।

हरकी पैड़ी पर 'अहिन्दू प्रवेश निषेध क्षेत्र' के पोस्टर

- हिंदू संगठन बोला-गैर हिंदू अधिकारियों, पत्रकारों की एंट्री बैन हो

हरिद्वार. हरिद्वार में 2027 में अर्धकुंभ होने वाला है, लेकिन इससे पहले ही इस क्षेत्र में गैर हिंदुओं के एंट्री बैन करने की मांग तेज हो गई है। इसी बीच आज हरिद्वार की हरकी पैड़ी क्षेत्र में 'अहिन्दू का प्रवेश निषेध क्षेत्र, आज्ञा से म्यूनिसिपल एक्ट हरिद्वार' लिखे करीब 12 पोस्टर लगाए गए हैं। गंगा सभा की तरफ से ये पोस्टर घाट किनारे अलग-अलग जगहों पर लगाए गए हैं, जिसके बाद गैर-हिंदुओं की एंट्री को लेकर विवाद फिर से तेज हो गया है। घाटों की व्यवस्थाएं देखने वाली संस्था गंगा सभा ने इस मुद्दे पर खुलकर अपना रुख सामने रखा है। संस्था का कहना है कि हरकी पैड़ी और ब्रह्म कुंड क्षेत्र सनातन आस्था का प्रमुख केंद्र है, इसलिए यहां पवित्रता और व्यवस्थाओं को बनाए रखना जरूरी है।

इस मामले गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन ने कहा कि यह कोई नई पहल नहीं है, बल्कि 1916 के म्यूनिसिपल एक्ट/बायलॉज की जानकारी सार्वजनिक की गई है, ताकि किस क्षेत्र में क्या नियम लागू हैं, इसे लेकर किसी तरह का भ्रम ना रहे।

सुशासन को दिया आशीर्वाद, महाराष्ट्र का धन्यवाद

नई दिल्ली. महाराष्ट्र के निकाय चुनाव के नतीजों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान आया है। पीएम मोदी ने एनडीए को जीत दिलाने के लिए महाराष्ट्र की जनता का आभार जताया है।

एक्स पर जारी बयान में प्रधानमंत्री ने लिखा है कि राज्य की उत्साही जनता ने एनडीए के जनहितकारी और सुशासन के एजेंडा को अपना आशीर्वाद दिया है। उन्होंने आगे लिखा है कि विभिन्न महानगरपालिका चुनावों के परिणाम यह दिखाते हैं कि महाराष्ट्र की जनता के साथ एनडीए का संबंध और मजबूत हुआ है। हमारे अनुभव और विकास की दृष्टि ने जनता के मन को भाया है।

BMC चुनाव में डूब गई कांग्रेस की नैया

मुंबई. देश के सबसे अमीर नगर निकाय बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) के हुए चुनावों के शुक्रवार को सामने आए नतीजों एवं रुझानों में कांग्रेस 227 में से महज 15 सीट पर बढ़त बनाती नजर आ रही है और विश्लेषक इसे शहरी क्षेत्र में देश की सबसे पुरानी पार्टी के पतन के एक और अध्याय के तौर पर देख रहे हैं। बीएमसी चुनाव में पार्टी ने 152 सीटों पर चुनाव लड़ा था जबकि बाकी सीट उसने अपने सहयोगी वंचित बहुजन आघाडी (VBA), राष्ट्रीय समाज पक्ष और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई गुट) के लिए छोड़ दी थीं।

कांग्रेस ने 2017 में बीएमसी के पिछले चुनाव में 31 सीट पर जीत दर्ज की थी।

जालना में एक ही परिवार के तीन लोग जीते

- एक ने तो जेल से लड़ा था चुनाव

मुंबई. महाराष्ट्र निकाय चुनाव के नतीजों का शुक्रवार को ऐलान हो रहा है। बीएमसी समेत तमाम नगर निगमों में भाजपा बड़ी जीत की ओर है। इस बीच, जलगांव नगर निगम में एक ही परिवार के तीन सदस्यों को जीत मिली है, जिससे पूरी फैमिली काफी उत्साहित है। महाराष्ट्र के कोल्हे परिवार के तीन सदस्यों- ललित कोल्हे, सिंधुताई कोल्हे और पीयूष कोल्हे ने जलगांव नगर निगम में जीत हासिल की। शिवसेना उम्मीदवार ललित कोल्हे ने जेल से चुनाव लड़ा था। उन्हें सितंबर में एक फर्जी कॉल सेंटर स्कैम के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के सदस्य रहते हुए ललित कोल्हे 2018 में जलगांव के मेयर भी रह चुके हैं। इसके बाद, बीजेपी नेता सीमा भोले ने 2018 से 2021 तक मेयर का पद संभाला। 2021 से, शिवसेना की जयश्री महाजन जेएमसी की मेयर हैं। जीत का जश्न मनाते हुए न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए, जलगांव के वार्ड नंबर 4 से जीतने वाले पीयूष कोल्हे ने कहा कि बहुत से लोगों ने हमें नीचे खींचने की कोशिश की, लेकिन फिर भी हमें यह जीत मिली। पीयूष कोल्हे ने बताया, 'हमारे परिवार के तीन सदस्यों ने चुनाव जीता है। जैसा कि मेरी मां ने कहा, ''वोटर्स ने ललित कोल्हे के लिए अपना प्यार दिखाया है। पिछले 15-20 दिनों से लोग हमें नीचे खींचने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सच की हमेशा जीत होती है।

आरोपी ललित कोल्हे की मां सरिता कोल्हे ने कसम खाई थी कि जब तक उनका बेटा जेल से बाहर नहीं आ जाता, तब तक वह चप्पल नहीं पहनेंगी। जीत का जश्न मनाते हुए, उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को चुनाव जिताने के लिए जनता को धन्यवाद दिया, और कहा कि वह जेल में है। उस पर घटिया आरोप लगाए गए थे। हमारे वोटर्स ने जेल के दरवाजे तोड़ दिए हैं। उन्होंने वोटों के रूप में हम पर अपना आशीर्वाद बरसाया... वार्ड नंबर 11 से शिवसेना के उम्मीदवार, जिसमें सिंधुताई कोल्हे और ललित कोल्हे शामिल हैं। वार्ड नंबर 4 से पीयूष कोल्हे। मेरे बेटे, पति और सास ने चुनाव जीता है।'

रोहित को कैप्टेंसी से हटाने का फैसला किसका था?

- गौतम गंभीर पर लगा इल्जाम

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीतने के बाद रोहित शर्मा को वनडे कैप्टेंसी से हटाए जाने का फैसला हर किसी की समझ के परे था। रिपोर्ट्स थी कि टीम मैनेजमेंट रोहित शर्मा का फ्यूचर वर्ल्ड कप 2027 तक नहीं देख रही है, जिस वजह से उनकी नजरें एक यंग कैप्टन को तैयार करने की थी। ऐसे में जब पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे का ऐलान हुआ तो रोहित शर्मा टीम में तो थे, मगर कप्तानी की जिम्मेदारी शुभमन गिल को सौंप दी गई थी। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने गौतम गंभीर पर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने रोहित शर्मा को वनडे कैप्टेंसी से हटाए जाने के लिए बंदूक मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कंधे पर रखकर चलाई थी।

तिवारी का मानना है कि हालांकि अगरकर एक मजबूत कैरेक्टर हैं और अपने फैसले खुद लेते हैं, लेकिन वह यह फैसला अकेले नहीं ले सकते थे और रोहित को कप्तानी से हटाने में गंभीर की राय का भी जरूर हाथ रहा होगा।

मनोज तिवारी ने स्पोर्ट्स टुडे से कहा, 'मुझे नहीं पता कि इसका मुख्य कारण क्या है। लेकिन अजीत अगरकर को जानने के नाते, वह एक पर्सनैलिटी हैं। वह फैसला लेने वाले इंसान हैं। ऐसे कदम उठाने में वह पीछे नहीं हटेंगे। लेकिन क्या किसी ने उन्हें अपने कंधे पर बंदूक रखकर चलाने के लिए प्रभावित किया, यह हमें देखना होगा। पर्दे के पीछे बहुत सी चीजें होती हैं, जिससे 1+1 2 हो जाता है। हो सकता है कि फैसला चीफ सेलेक्टर ने लिया हो, और वह इस बारे में बहुत साफ थे। स्वाभाविक रूप से, कोच का इनपुट भी रहा होगा। आप अकेले फैसला नहीं ले सकते। जो भी फैसला लिया गया, उसके लिए दोनों बराबर जिम्मेदार हैं।'

तिवारी को रोहित को वनडे कप्तान के पद से हटाने के पीछे का लॉजिक समझ नहीं आया, उन्होंने कहा कि सेलेक्टर्स का उनकी नीयत या लीडरशिप स्किल्स पर सवाल उठाना समझदारी नहीं है। गिल को कप्तान बनाना तो तय था, लेकिन इसे बेहतर तरीके से किया जा सकता था, शायद रोहित को न्यूजीलैंड वनडे तक कप्तान बने रहने के लिए कहा जा सकता था।

मोदी बोले-भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम

- 10 साल पहले 500 स्टार्टअप थे, आज 2 लाख
- 21 लाख लोगों को रोजगार मिला

नई दिल्ली. पीएम मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम है। 10 साल पहले देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, जिसकी संख्या आज 2 लाख से ज्यादा है।

नेशनल स्टार्टअप डे के मौके पर पीएम ने कहा कि भारत के युवाओं का फोकस रियल प्रॉब्लम सॉल्व करने पर है। हमारे यंग इनोवेटर्स, जिन्होंने नए सपने देखने का साहस दिखाया। मैं उन सभी की बहुत-बहुत सराहना करता हूं।

पीएम ने ये बातें शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में स्टार्टअप इंडिया कैंपेन के 10 साल पूरे होने पर कही। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि आने वाले 10 सालों में भारत नए स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी में दुनिया का नेतृत्व करे।

स्टार्टअप इंडिया कैंपेन को 16 जनवरी 2016 को प्रधानमंत्री ने लॉन्च किया था। जिसका मकसद इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देना और इन्वेस्टमेंट से होने वाली ग्रोथ को सक्षम बनाना है। पिछले एक दशक में देश भर में 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स को मान्यता मिली है।

वेनेजुएलाई नेता ने अपना नोबेल पुरस्कार ट्रम्प को दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो से मुलाकात की। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अगवा करने के बाद यह उनकी किसी भी वेनेजुएलाई नेता से पहली आमने-सामने की मुलाकात थी।

मुलाकात के बाद माचाडो ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल भेंट किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आज हम वेनेजुएलावासियों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।'

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में माचाडो ने ट्रम्प को अपना पुरस्कार सौंपने के बारे में बताया, लेकिन उन्होंने दूसरी कोई जानकारी नहीं दी। वहीं, व्हाइट हाउस ने भी यह नहीं बताया कि ट्रम्प ने मेडल स्वीकार किया या नहीं। व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद माचाडो ने बाहर जुटे समर्थकों से स्पेनिश में कहा, 'हम राष्ट्रपति ट्रम्प पर भरोसा कर सकते हैं।' हालांकि, ट्रम्प ने अब तक माचाडो को वेनेजुएला की नई नेता के रूप में समर्थन नहीं दिया है। इसकी बजाय वे वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के साथ काम कर रहे हैं।

पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड का आरोपी निर्दलीय विजयी

जालना. पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड में आरोपी श्रीकांत पंगारकर ने जालना नगर निगम चुनाव में जीत हासिल की है। नगर निगम के वार्ड नंबर 13 से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरे पंगारकर का परिणाम घोषित होते ही समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। इससे चुनावी राजनीति में आरोपियों की मौजूदगी को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है। गौरतलब है कि पंगारकर ने इस सीट से भाजपा और अन्य दलों के उम्मीदवारों को 2621 वोटों के अंतर से मात दी।

वर्ष 2017 में हुई पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड के मामले में पंगारकर के ऊपर अभी भी आरोप हैं। इस मामले की सुनवाई अभी चल रही है। निगम चुनाव में विजयी होने के बाद पंगारकर ने कहा कि उनके खिलाफ अभी तक कोई दोष सिद्धी नहीं हुई है, कानूनी प्रक्रिया अभी तक चल रही है।

आपको बता दें, पंगारकर 2001 से लेकर 2006 तक शिवसेना का हिस्सा रहे और जालना में ही पार्षद के रूप में काम किया। हालांकि 2011 के चुनाव में पार्टी की तरफ से उन्हें टिकट नहीं दिया गया।

गौरी लंकेश मामले में गिरफ्तार होने के बाद पंगारकर के राजनीतिक जीवन पर लगभग विराम लग गया। हालांकि, 2024 में रिहा होने के बाद उन्होंने एक बार फिर से राजनीति में करियर शुरू करने की कोशिश की। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले पंगारकर शिंदे गुट में शामिल होने वाले थे, लेकिन व्यापक विरोध के बाद उनको शामिल नहीं किया गया।

लाल किला ब्लास्ट मामले के 5 आरोपियों को दिल्ली की अदालत ने जेल भेजा

नई दिल्ली. दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को लाल किले के पास हुए कार धमाका मामले के आरोपी तीन डॉक्टरों और एक धार्मिक उपदेशक सहित पांच आरोपियों को 13 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस दौरान स्पेशल जज प्रशांत शर्मा ने NIA की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें इन पांचों आरोपियों डॉ. अदील राथर, डॉ. शाहीन सईद, डॉ. मुज़म्मिल गनई, मौलवी इरफ़ान अहमद वागे और जासिर बिलाल वानी की न्यायिक हिरासत मांगी गई थी। कोर्ट ने दो अन्य आरोपियों यासिर अहमद डार और नसीर बिलाल मल्ला की न्यायिक हिरासत भी बढ़ा दी।

उल्हासनगर महानगर पालिका चुनाव - 2026

विजयी उम्मीदवार व पराजित निकटवर्ती उम्मीदवार को मिले मत

पैनल 1
- अ 1) भाजपा से अर्चना करणकाले - 4769
  2) शिवसेना उबाठा से अश्विनी मढवी- 2903
- ब 1) शिवसेना से पूजा भोईर - 5354
  2) भाजपा से सुरेखा पारधी- 4237
- क 1) भाजपा से भावना ओवलेकर- 5175
  2) शिवसेना से जयश्री पाटील- 3889
- ड 1) शिवसेना से दिलीप गायकवाड़ - 3525
  2) भाजपा से सुनील राणा- 2794

पैनल 2
- अ 1) भाजपा से हरीश कनोजिया - 5299
  2) शिवसेना से होशियार सिंह - 4969
- ब 1) भाजपा से मीना लबाना - 5220
  2) शिवसेना अनुष्का गोपालानी- 4872
- क 1) भाजपा से संध्या मराठे - 5225
  2) शिवसेना से सविता पारवानी चार्ली - 5010
- ड 1) शिवसेना से जमनू पुरस्वानी - 4863
  2) भाजपा से भरत शिवनानी - 4734

पैनल 3
- अ 1) शिवसेना से संगीता खंडारे - 6183
  2) भाजपा से आशा बिराडे - 4247
- ब 1) शिवसेना से वंदना भदाणे - 5117
  2) भाजपा से संजय घुगे - 4876
- क 1) शिवसेना से चरणजीत कौर भुल्लर - 6033
  2) भाजपा से दिव्या पाठक - 3940
- ड 1) शिवसेना से राजेंद्र सिंह भुल्लर - 6111
  2) भाजपा से कुलविंदर सिंग - 3846

पैनल 4
- अ 1) शिवसेना से नाना बागुल - 2923
  2) भाजपा से कपील अडसूल - 2635
- ब 1) भाजपा से सुरेखा आव्हाड - 3125
  2) शिवसेना से रेखा सानप - 2955
- क 1) भाजपा से शोभाताई जाधव - 3115
  2) शिवसेना से रुपाली म्हास्के - 3099
- ड 1) शिवसेना से कलवंत सिंग बिट्टू - 2889
  2) वंचित ब.आ. से मनोज बानिया - 2042

पैनल 5
- अ 1) शिवसेना से दिलीप जग्यासी - 4685
  2) भाजपा से राजू जग्यासी - 4519
- ब 1) भाजपा से मीना कुमार आयलानी - 5102
  2) शिवसेना से निकिता छाप्रु - 4011
- क 1) शिवसेना से सीमा कालानी - 4730
  2) भाजपा से गुंजन साधनानी - 4267
- ड 1) भाजपा से नंद छापरू - 4514
  2) शिवसेना से विक्की भुल्लर - 4171

पैनल 6
- अ 1) शिवसेना से विक्की लबाना - 6742
  2) भाजपा से भूमि नाथानी - 6313
- ब 1) शिवसेना से प्रेरणा माखीजानी - 7840
  2) भाजपा से आईशा वधरिया - 5487
- क 1) शिवसेना से जया प्रकाश माखीजा - 6772
  2) भाजपा से हेमा पिंजानी - 6715
- ड 1) शिवसेना से महेश सुखरामानी - 6921
  2) भाजपा से दीपक छतलानी - 5502

पैनल 7
- अ 1) शिवसेना से संघमित्रा हजारे - 3441
  2) भाजपा से कविता ऐडके - 3403
- ब 1) शिवसेना से अश्विनी निकम - 5001
  2) भाजपा से नंदिनी बामणकर - 3134
- क 1) शिवसेना से दुर्गा प्रसाद राय - 3492
  2) भाजपा से लक्ष्मी सिंह - 2710
- ड 1) भाजपा से सुचित्रा सिंह - 3653
  2) शिवसेना से मयुर लहाने - 3200

पैनल 8
- अ 1) भाजपा से छाया अडसूल - 5721
  2) शिवसेना से गीता महाडिक - 3083
- ब 1) भाजपा से प्रशांत पाटील - 6258
  2) शिवसेना सुश्मिता गोसावी - 3299
- क 1) भाजपा से संजय सिंह - 5930
  2) शिवसेना से सुनील तलरेजा - 2988
- ड 1) भाजपा से राजेश वधरिया - 5521
  2) शिवसेना से संटी सोडावतनी - 3610

पैनल 9
- अ 1) शिवसेना से डिंपल ठाकुर - 4092
  2) भाजपा से आशिष जग्यासी - 3883
- ब 1) भाजपा से दीपा पंजाबी - 3790
  2) शिवसेना कविता लासी - 3538
- क 1) शिवसेना से आकाश चक्रवती - 4193
  2) भाजपा से पूनम गुप्ता - 3816

पैनल 10
- अ 1) शिवसेना रविंद्र निकम - 5399
  2) भाजपा से शुभांगी बेहनवाल - 4880
- ब 1) शिवसेना से राजश्री चौधरी - 5662
  2) भाजपा से पांडुरंग लांडे - 4742
- क 1) भाजपा से भावना गिडवानी - 4758
  2) शिवसेना से गौतमी बागुल - 2939
- ड 1) शिवसेना से राजेंद्र चौधरी - 5265
  2) भाजपा से दीपक पांडे - 4677

पैनल 11
- अ 1) भाजपा से प्रीती माखीजा - 6441
  2) साई पक्ष से इंदिरा उदासी - 3799
- ब 1) भाजपा से रवि जग्यासी - 6823
  2) साई पक्ष से डॉ. हरेश जग्यासी- 3094
- क 1) भाजपा से कविता पंजाबी- 6198
  2) साई पक्ष से किरण सिंग कलवा- 2813
- ड 1) भाजपा से प्रवीण किशनानी - 5986
  2) साई पक्ष से जीवन इदनानी- 3040

पैनल 12
- अ 1) अपक्ष से सविता तोरणे - 4641
  2) भाजपा से राखी कजानिया - 4263
- ब 1) भाजपा से कैलाश म्हात्रे - 4544
  2) अपक्ष गजानन शेलके - 3622
- क 1) भाजपा से ज्योति पिंटो बठीजा - 4930
  2) अपक्ष हिना खान - 3097
- ड 1) भाजपा से टोनी सीरवानी - 4881
  2) अपक्ष मालती करौतिया - 2525

पैनल 13
- अ 1) शिवसेना सूरज सोनकांबले - 3639
  2) भाजपा से वंदना डोंगरे - 2366
- ब 1) शिवसेना से ज्योत्सना जाधव - 6590
  2) भाजपा से सुवर्णा सगले - 2342
- क 1) शिवसेना से कांता पवार - 3324
  2) भाजपा से लता पगारे - 2799
- ड 1) शिवसेना से प्रदीप गोडसे - 6345
  2) भाजपा से सुषमा घाग - 1653

पैनल 14
- अ 1) शिवसेना से लीलाबाई आशान - 5218
  2) उबाठा से धावारे राधा - 2827
- ब 1) शिवसेना से राजेंद्र चानपुर - 4885
  2) उबाठा से रघुनाथ कांबली - 2974
- क 1) शिवसेना से साक्षी सुर्वे - 4724
  2) उबाठा से जयश्री सुनील सुर्वे - 3493
- ड 1) शिवसेना से शेखर यादव - 4343
  2) मनसे से सचिन कदम - 4051

पैनल 15
- अ 1) शिवसेना से संगीता सपकाले - 5533
  2) भाजपा से गौरव भालेराव - 4912
- ब 1) शिवसेना से इंदिरा पाटील - 5784
  2) भाजपा से शीतल कदम - 5584
- क 1) शिवसेना से काजल जग्यासी - 5803
  2) भाजपा से वसुधा बोडारे - 5559
- ड 1) शिवसेना से अरुण आशान - 5969
  2) भाजपा से धनंजय बोडारे - 5805

पैनल 16
- अ 1) साई पक्ष से दिप्ती दूधानी - 4905
  2) भाजपा से पवन वाघ - 4831
- ब 1) भाजपा से अनंता रुपचंदानी - 5434
  2) साई पक्ष से ज्योती चैनानी - 4745
- क 1) भाजपा से कंचन अमर लुंड - 5936
  2) साई पक्ष अगीता भूमिका - 4225
- ड 1) भाजपा से शेरी लुंड - 6921
  2) साई पक्ष से राजा गेमनानी - 4487

पैनल 17
- अ 1) भाजपा से रविंद्र परमार - 4222
  2) शिवसेना राजू वालंज - 2227
- ब 1) भाजपा से नैसी उदासी - 4522
  2) शिवसेना से सुमन सचदेव - 2891
- क 1) भाजपा से सुहाना जेसवानी - 4491
  2) शिवसेना से नीलू चांडवानी - 2785
- ड 1) भाजपा से अमर लुंड - 3712
  2) शिवसेना से रमेश चव्हाण - 2692

पैनल 18
- अ 1) कांग्रेस से अंजली सालवे - 2993
  2) पीआरपी से लता शांताराम निकम - 2504
- ब 1) वंचित ब.आ. से सुरेखा सोनवणे - 3017
  2) पीआरपी से अक्षता प्रमोद टाले - 2306
- क 1) वंचित आघाडी से विकास खरात - 2572
  2) कांग्रेस से विजय ठाकुर - 1831
- ड 1) भाजपा से राजेश वानखेडे - 5521
  2) वंचित आघाडी से आशा पवार - 2696

पैनल 19
- अ 1) भाजपा से विपूल मयेकर - 4182
  2) शिवसेना से युवराज पाटील - 4008
- ब 1) शिवसेना से मीना सोंडे - 3281
  2) भाजपा से लक्ष्मी कुर्सिजा - 3158
- क 1) भाजपा से राजू दुर्गे - 4856
  2) शिवसेना से मीनाक्षी पाटील - 3544
- ड 1) भाजपा से राजू गोपालानी - 4722
  2) शिवसेना से किशोर वनवारी- 3384

पैनल 20
- अ 1) भाजपा से सुनीता काकडे - 3254
  2) शिवसेना से कविता गायकवाड - 1819
- ब 1) भाजपा से ललिता प्रधान - 3544
  2) शिवसेना से अपेक्षा पाटील - 1803
- क 1) भाजपा से प्रधान पाटील - 3889
  2) शिवसेना उबाठा से कैलाश तेजी - 3037

संक्षेप...

पत्नी को भी नहीं जिता पाए पूर्व सांसद विचारे

ठाणे. राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे एवं मनसे प्रमुख राज ठाकरे के महानगर पालिका चुनाव में एक साथ आने से ठाणे में बड़ा उलट फेर का दावा किया गया था. शिवसेना (यूबीटी) व मनसे के बीच युति होने के बाद से पूर्व सांसद राजन विचारे व मनसे जिला अध्यक्ष अविनाश जाधव ने आक्रामक भूमिका अख्तियार की थी. लेकिन पूर्व सांसद राजन विचारे अपनी पत्नी नंदिनी विचारे की भी सीट नहीं बचा पाए. मनसे शहर अध्यक्ष रविंद्र मोरे सहित पार्टी के सभी उम्मीदवारों को पराजय क सामना करना पड़ा.

शिवसेना उम्मीदवारों के निर्विरोध चुनाव जीतने को लेकर अविनाश जाधव ने हाईकोर्ट तक का दरवाजा खटखटाया था.

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत

पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास के विजन के साथ लड़े - महाराष्ट्र निकाय चुनाव में बड़ी जीत पर फडणवीस

मुंबई. महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत मिली है। बीएमसी समेत कई नगर निगम में भाजपा ने परचम लहराया है। बीएमसी में पहली बार भाजपा का मेयर बनने जा रहा है। इस जीत पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य की जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इन चुनावों के बाद भाजपा और महायुति के 25 मेयर बनने जा रहे हैं।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'हमने ये चुनाव पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास के विजन के साथ लड़े, इसीलिए हमें इन चुनावों में रिकॉर्ड तोड़ जनादेश मिला। इन नतीजों से यह साफ हो गया है कि महाराष्ट्र पीएम मोदी पर बहुत भरोसा करता है।' उन्होंने कहा कि हर शहर को बदलकर वहां रहने वाला जो गरीब और मिडिल क्लास व्यक्ति है, उसके जीवन में बदलाव लाने की हमारी कोशिश रहेगी।

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा हिंदुत्व है और उसे लेकर हमें अभिमान भी है। हिंदुत्व और विकास को अलग नहीं कर सकते हैं। इसी की वजह से हम जनता तक पहुंचे हैं। हम व्यापक हिंदुत्व की व्याख्या करते हैं। यह व्यापक जनसमर्थन हमें मिला है। कार्यकर्ताओं को संदेश है कि जब इतना बड़ा समर्थन मिलता है तो हमें जिम्मेदारी का ख्याल रखना पड़ता है। हमें ख्याल रखना पड़ेगा। किसी भी तरह से उन्माद दिखाने की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र की जनता ने काम करने के लिए आपको समय दिया है।

इससे पहले, फडणवीस ने राज्य बीजेपी प्रमुख रवींद्र चव्हाण को बधाई दी। सीएम फडणवीस ने मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित सातम को भी फोन किया और बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों में बीजेपी-शिवसेना की जीत पर उन्हें बधाई दी। शाम 6 बजे के लेटेस्ट रुझानों के अनुसार, बीएमसी चुनावों में 227 वॉर्ड में से बीजेपी-शिवसेना का भगवा गठबंधन 130 वॉर्ड पर आगे चल रहा था। वहीं ठाकरे भाई 71 वॉर्ड के साथ पीछे रह गए।

बीजेपी भारत की सबसे अमीर नगर पालिका में 93 वॉर्ड के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर रही है, जबकि उसकी गठबंधन सहयोगी शिवसेना को 27 वॉर्ड पर जीत मिली हैं। शिवसेना (UBT) 62 पर आगे थी, जबकि MNS 9 पर आगे थी। कांग्रेस 14 पर आगे थी, जबकि NCP (SP) एक पर आगे थी। बीजेपी-शिवसेना ने पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में शरद पवार और अजीत पवार की चाचा-भतीजे की जोड़ी को पीछे छोड़ दिया है। पुणे में, बीजेपी कुल 162 वॉर्ड में से 90 वॉर्ड पर आगे थी, शिवसेना दो वॉर्ड पर आगे थी, और महायुति बहुमत के आंकड़े से काफी ऊपर थी। एनसीपी 20 वॉर्ड पर आगे थी, जबकि NCP (SP) पुणे में अपना खाता खोलने के लिए संघर्ष कर रही थी।

मुंबई मनपा में बनेगा भाजपा का मेयर

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के ऐतिहासिक चुनावी नतीजों ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत कर दी है। तीन दशकों से मुंबई की सत्ता पर काबिज 'मातोश्री' का वर्चस्व आखिरकार समाप्त हो गया है। शुक्रवार को घोषित परिणामों में भाजपा-शिंदे गठबंधन (महायुति) ने प्रचंड बहुमत हासिल कर ठाकरे परिवार के 'आखिरी किले' को ध्वस्त कर दिया है।

अब यह साफ हो गया है कि देश के सबसे अमीर नगर निकाय में इस बार भाजपा का मेयर बैठेगा। बीएमसी के साथ ही हुए महाराष्ट्र की अन्य 28 महानगरपालिकाओं के चुनाव में से भी अधिसंख्य के परिणाम भाजपा के ही पक्ष में आए हैं।

भाजपा-शिंदे गठबंधन ने बीएमसी चुनाव में प्रचंड जीत

कुल 227 सीटों वाली बीएमसी में बहुमत के लिए 114 सीटों की आवश्यकता थी। ताजा आंकड़ों के अनुसार, भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने मिलकर 127 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसमें भाजपा को 97 एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्ववाली शिवसेना को 30 सीटें हासिल हुई हैं।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को मिलाकर 73 सीटें मिली हैं। इनमें 64 सीटें शिवसेना (यूबीटी) को एवं नौ सीटें मनसे को मिली हैं। ठाकरे बंधु 20 साल बाद साथ आकर भी बीएमसी की सत्ता हासिल नहीं कर पाए।

पिछले लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों के विपरीत इस बार महाविकास आघाड़ी से अलग होकर लड़ी कांग्रेस की स्थिति दो बड़े गठबंधनों के बीच सैंडविच बनकर रह गई। डा.भीमराव आंबेडकर के पौत्र प्रकाश आंबेडकर की पार्टी वंचित बहुजन आघाड़ी से गठबंधन करके भी कांग्रेस 15 सीटों से आगे नहीं बढ़ सकी।

ठाकरे परिवार का तीन दशक का वर्चस्व खत्म

बीएमसी चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं का झुकाव स्पष्ट रूप से शिवसेना (यूबीटी) की ओर होने के बावजूद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने छह सीटों पर जीत हासिल की है। इस बड़ी जीत के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने एक्स एकाउंट पर लिखा है कि भाजपा ने 2025-26 के महानगरपालिका चुनावों में जीत हासिल कर एक बार फिर इतिहास लिख दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुभवी नेतृत्व एवं उनके साथ-साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के मार्गदर्शन तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की कड़ी मेहनत से यह जीत हासिल हुई है।

पक्षी को बचाने गए फायर ब्रिगेड के जवान की मौत

■ दूसरे जवान की हालत गंभीर

भिवंडी. मकर संक्रांति के दिन हाई-वोल्टेज बिजली लाइन में पतंग के जाल में फंसे कौए को बचाने गए एक फायर ब्रिगेड के जवान को हाई-वोल्टेज बिजली लाइन का शॉक लगा और उसकी मौत हो गई, वहीं एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है।

मृतक फायरफाइटर का नाम नितिन पष्टे (50) है, जबकि आसाराम आघाव गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस घटना से फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारियों में गुस्से की लहर फैल गई है और मृतक सिपाही के परिजनों ने फायर डिपार्टमेंट के चीफ राजेश पवार की अस्पताल परिसर में ही पिटाई कर दी।

भिवंडी फायर डिपार्टमेंट को शाम के समय खबर मिली कि शहर के भादवड़ टेमघर इलाके में हाई-वोल्टेज बिजली लाइन में पतंग के जाल में एक कौआ फंस गया है। इसके बाद फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारी मौके पर पहुंचे. जहां नितिन पष्टे ने फाइबर की छड़ी से कौवे को बचाने की कोशिश की। लेकिन हाई-वोल्टेज बिजली लाइन से झटका लगने से नितिन पष्टे की मौके पर ही मौत हो गई और उनकी मदद के लिए दौड़े जवान आसाराम आघाव भी झटका लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद शव को स्वर्गीय इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल लाया गया है। गंभीर रूप से घायल सिपाही को इलाज के लिए एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आव्हाड़ के गढ़ में उड़ी MIM की पतंग

ठाणे. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र आव्हाड क गढ़ माने जाने वाले मुंब्रा में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) की पतंग उड़ी है. पिछले चुनाव में एमआईएम के दो उम्मीदवार निर्वाचित हुए थे.इस बार प्रभाग क्रमांक 30 के सभी 4 उम्मीदवार सहित कुल 5 उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं.

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में फूट पड़ने का फायदा मनपा चुनाव में एमआईएम को मिला है. मुंब्रा एवं राबोड़ी में वार्ड में एमआईएम के उम्मीदवार मैदान में थे.प्रभाग क्रमांक 30 के पैनल में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) दोनों पार्टियों के साथ ही शिवसेना - भाजपा सहित अन्य उम्मीदवार मैदान में थे.

NCP के गढ़ में भारी पड़ी BJP

■ पुणे-पिंपरी चिंचवड़ में खिला कमल

मुंबई. महाराष्ट्र में मुंबई से लेकर पश्चिम महाराष्ट्र तक बीजेपी की लहर सामने आई है। राज्य में बीजेपी की अगुवाई वाली महायुति सरकार में डिप्टी सीएम अजित पवार को इन चुनावों में तगड़ा झटका लगा है। अजित पवार की पार्टी ने महायुति को छोड़कर मुंबई में जहां अकेले चुनाव लड़ा था तो वहीं पार्टी ने अपने मजबूत गढ़ पुणे, पिंपरी चिंचवड में वापसी के लिए चाचा (शरद पवार) की अगुवाई वाली एनसीपी से हाथ मिलाया था। इसके बाद सुप्रिया सुले और अजित पवार एक मंच पर सामने आए थे। शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने भी पुणे और पिंपरी चिंचवड में खूब चुनाव प्रचार किया था, लेकिन चुनाव नतीजों में दोनों स्थानों पर बीजेपी सत्ता हासिल करने में सफल रही है। पुणे में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी ह तो वहीं दूसरी एनसीपी का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है।

पिंपरी चिंचवड में पीछे छूटे अजित

अजित पवार ने 29 महानगरपालिका के चुनावों में सबसे ज्यादा जोर एशिया की सबसे अमीर मानी जाने वाली पिंपरी चिंचवड महानगरपालिका के लिए लगाया था। चुनाव प्रचार में उन्होंने बीजेपी पर भ्रष्टाचार तक के आरोप भी लगाए थे, लेकिन पिंपरी चिंचवपड में अजित पवार की पार्टी 40 से कम सीटों पर सिमट गई। बीजेपी की मजबूत घेरेबंदी को दादा नहीं तोड़ पाए। पुणे और पिंपरी चिंचवड में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कमांडर के तौर पर केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कमान संभाली थी। मोहोल से अजित पवार का टकराव सामने आया था। अजित पवार की पुणे में कारारी शिकस्त इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि वह यहां के प्रभारी मंत्री हैं। एनसीपी के दोनों धड़ों में गठबंधन के बाद चर्चा छिड़ गई थी क्या आगे दोनों पार्टियां एक हो जाएंगी? लेकिन नतीजों ने अजित पवार को ही नहीं बल्कि शरद पवार को बड़ा शॉक दे दिया है।

उत्तर भारतीय उम्मीदवार से टिकट वापस लेना बीजेपी को पड़ा महंगा

■ हार गया भाजपा का पुरस्कृत उम्मीदवार

■ मनसे के गणेश लांडगे ने मारी बाजी

कल्याण. कल्याण पश्चिम के पैनल क्रमांक- 7 (ड) से भाजपा के अधिकृत उत्तर भारतीय उम्मीदवार डा.पंकज उपाध्याय से जबरन टिकट वापस लेना बीजेपी को महंगा पड़ गया। यहां से मनसे के गणेश लांडगे ने बाजी मार ली है। भाजपा के पुरस्कृत निर्दलीय उम्मीदवार संदीप गायकर को मुंह की खानी पड़ी है। बतादें कि कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के 122 वार्डों में भाजपा ने 2 उत्तर भारतीय नेताओं क्रमशः कल्याण पश्चिम से डा.पंकज उपाध्याय और कल्याण पूर्व से सरोज मनोज राय को अधिकृत रूप से चुनाव में उतारा था। लेकिन नामांकन वापसी के आख़िरी दिन जबरन प्रेशर बनाकर डा.पंकज उपाध्याय से उम्मीदवारी छीन ली गई, और पार्टी से बगावत करने वाले निर्दलीय उम्मीदवार संदीप गायकर को भाजपा के पुरस्कृत उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया।

भाजपा के अधिकृत उत्तर भारतीय उम्मीदवार से टिकट छीने जाने से समाज में नाराजगी बनी हुई थी, जिसके कारण यहां भाजपा को मुंह की खानी पड़ी, और मनसे के प्रत्याशी गणेश लांडगे ने जीत हासिल की। इस पैनल से संदीप गायकर को छोड़ बीजेपी के सामल मंगेश गायकर, हेमलता पवार और शिवसेना (शिंदे) की विजया पोटे विजयी घोषित हुई हैं।

3 दलों से जीते एक ही परिवार के तीन सदस्य

■ मनसे, भाजपा और शिंदे सेना के थे उम्मीदवार

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली के पैनल क्रमांक 21 में तीन अलग-अलग दलों से एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने जीत हासिल की है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से प्रल्हाद म्हात्रे, शिवसेना (शिंदे) से रेखा म्हात्रे और भाजपा से रवीना म्हात्रे विजयी घोषित हुई है। यह तीनों सदस्य एक ही परिवार के है, लेकिन तीन अलग-अलग दलों से चुनावी मैदान में खड़े थे। कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब एक ही परिवार के तीन सदस्य वह भी तीन अलग-अलग दलों से चुनाव जीतकर आए हो। हालांकि तीनों की जीत से परिवार में खुशी का वातावरण है, लेकिन शिवसेना (उद्धव) और मनसे की युति होने के कारण परिवार के एक सदस्य को सदन में विपक्ष के रूप में बैठना पड़ेगा।

खूनी संघर्ष के बाद भाजपा प्रत्याशियों को मिली हमदर्दी

■ पैनल-29 में शिवसेना (शिंदे) के प्रत्याशियों का सूफड़ा साफ

■ एक ही परिवार से 3 लोग हुए पराजित

कल्याण. डोंबिवली के तुकाराम नगर पैनल क्रमांक 29 में शिवसेना (शिंदे) के सभी उम्मीदवारों का सूफड़ा साफ हो गया। यहां इस पैनल से भाजपा की कविता म्हात्रे, आर्या नाटेकर, अलका म्हात्रे और मंदार टावरे विजयी घोषित हुए। इस पैनल में शिवसेना (शिंदे) और भाजपा के चार-चार उम्मीदवार मैत्रीपूर्ण चुनाव लड़ रहे थे, जिसमें शिवसेना (शिंदे) के रवि पाटील, नितिन पाटील और नितिन पाटील की पत्नी रंजना पाटील के साथ रुपाली म्हात्रे भी पराजित हो गई। इस पैनल में एक ही परिवार के तीन लोग चुनाव में खड़े थे, लेकिन रवि, नितिन और रंजना पाटील तीनों हार गए। मतदान से दो दिन पहले मतदाताओं में पैसे बांटने के आरोप को लेकर शिवसेना-भाजपा के बीच खूनी संघर्ष हुआ था, जिसमें भाजपा प्रत्याशी आर्या नाटेकर के पति ओमनाथ नाटेकर बुरी तरह घायल हुए थे, जिसका सीधा असर चुनाव में देखने को मिला। ओमनाथ नाटेकर पर जानलेवा हमला करने के मामले में शिवसेना प्रत्याशी रवि और नितिन पाटील सहित 8 लोगों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इस घटना के बाद लोगों की हमदर्दी भाजपा को मिली और शिवसेना (शिंदे) के प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा।

धनुष-मृणाल ठाकुर जल्द लेंगे सात फेरे

■ दावा-14 फरवरी को प्राइवेट सेरेमनी में होगी शादी

■ पिछले साल से रिश्ते में हैं दोनों

साउथ सुपरस्टार धनुष और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर एक बार फिर अपने रिश्ते को लेकर सुर्खियों में हैं। फ्री प्रेस जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, मृणाल और धनुष अगले महीने की 14 फरवरी यानी कि वैलेंटाइन डे के मौके पर शादी करेंगे।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ये शादी के एक प्राइवेट सेरेमनी होगी, जिसमें दोनों की फैमिली और क्लोज फ्रेंड्स मौजूद रहेंगे। हालांकि धनुष या मृणाल में से किसी ने कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दिया है।

बता दें कि पिछले साल अगस्त में मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' के प्रीमियर के दौरान धनुष को देखा गया था। दोनों को साथ में देखकर डेटिंग के कयास लगने लगे।

फिर धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क' की रैप-अप पार्टी में मृणाल की मौजूदगी से डेटिंग की खबरों को और हवा मिली। मृणाल सोशल मीडिया पर धनुष के अलावा उनकी दोनों बहनों को भी फॉलो करती हैं, इस बात ने भी लोगों का ध्यान खींचा।

डेटिंग की रूमर्स जब बढ़ने लगी फिर एक्ट्रेस को सफाई देनी पड़ी थी। एक इवेंट में जब मृणाल से चल रही खबरों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि वो सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। धनुष 'सन ऑफ सरदार-2' के प्रीमियर में अजय देवगन के इनविटेशन पर आए थे।

न्यूज 18 शोशा की एक रिपोर्ट में दोनों की डेटिंग की बात को सच बताया गया था। रिपोर्ट में सोर्स के हवाले से लिखा गया था- 'दोनों की डेटिंग की बात सच है। लेकिन उनका रिलेशनशिप नया है, इस वजह से उन्होंने इसे पब्लिक नहीं किया है। दोनों को घूमने-फिरने या एक साथ देखे जाने से परेशान नहीं होते हैं। दोनों की सोच और पसंद काफी मिलती-जुलती है। उनके दोस्त दोनों को सपोर्ट कर रहे हैं।'

पूर्व महापौर अशोक वैती चुनाव हारे

ठाणे. ठाणे महानगर पालिका चुनाव में जहां एकतरफ उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे क जादू चला है वहीं दूसरी तरफ जिस वार्ड में शिंदे रहते हैं वहां शिवसेना को जोरदार झटका लगा है. ठाणे के पूर्व महापौर अशोक वैती चुनाव हार गए हैं. उन्हें शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार शहाजी खुस्पे ने मात दी. मनपा क्षेत्र के ज्ञानेश्वर नगर , रामचंद्र नगर , काजूवाड़ी , हजुरी को मिला कर बने प्रभाग क्रमांक 13 से चुनाव मैदान में उतरे पूर्व महापौर अशोक वैती को 12193 वोट मिले जबकि शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार शहाजी खुस्पे को 12860 मतदाताओं ने पसंद किया. इसी वार्ड में राज्य ले उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे क निवास है. वैती की हार को अंदरुनी मतभेद के रूप में भी देखा जा रहा है.

ठाणे मनपा में भाजपा की ताकत बढ़ी

■ 29 नगरसेवक हुए निर्वाचित

■ मोदी-फडणवीस के नेतृत्व का प्रभाव

ठाणे. भाजपा ने इस साल ठाणे मनपा में बड़ी छलांग लगाई है।पार्टी ने ठाणे में 29 सीटें जीती हैं।भाजपा के ठाणे जिले में हुए मनपा चुनावों के दौरान, तीन बार के जिला अध्यक्ष संदीप लेले ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। दिलचस्प बात यह है कि इस साल का चुनाव भी उन्हीं की अध्यक्षता में हुआ।

राज्य महासचिव माधविताई नाइक, विधायक संजय केलकर और विधायक निरंजन डावखारे ने इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके प्रभावी नेतृत्व संगठनात्मक कौशल के कारण ही भाजपा ने ठाणे में यह शानदार जीत हासिल की है।इन नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक संजय केलकर ने कहा ठाणे के मतदाताओं को मेरा हार्दिक धन्यवाद। हालांकि हमने अपेक्षाकृत कम सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन हमारा प्रदर्शन शानदार रहा है। हम ठाणे और उसके समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ठाणे के लोगों की खुशी के सूचकांक को बढ़ाने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे।मीडिया से बात करते हुए राज्य महासचिव माधविताई नाइक ने कहा ठाणे की जनता ने सीएम देवेंद्र के विकास मॉडल को प्राथमिकता दी है। इसी कारण मतदाताओं ने महायुति के उम्मीदवारों को चुनकर हम पर अपना भरोसा जताया है। हमारे सभी निर्वाचित उम्मीदवार मतदाताओं के इस भरोसे को जरूर सही साबित करेंगे।

कल्याण-डोंबिवली में महायुति का बोलबाला

■ शिवसेना को 53 और भाजपा को मिली 50 सीटें

■ 11 सीटों पर सिमटी शिवसेना (उद्धव)

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के नतीजों में महायुति का बोलबाला रहा। केडीएमसी की 122 सीटों में सबसे अधिक सीटें शिवसेना (शिंदे) को मिली। शिंदे के कुल 53 उम्मीदवार चुनकर आए। तो वहीं भाजपा को 50 सीटें मिली है। तीसरे नंबर पर कल्याण में उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना रही, जिन्हें कुल 11 सीटें मिली। इसी तरह कल्याण-डोंबिवली में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को 5, कांग्रेस (I) को 2 और राष्ट्रवादी (शरद) को एक सीट मिली। 2015 के चुनाव की तुलना में भाजपा को 9 सीटों की बढ़त मिली है। 2015 के चुनाव में भाजपा को 42 सीटें मिली थी, और शिवसेना (अविभाजित) को 52 सीटें मिली थी। शिवसेना (शिंदे) को एक सीट की बढ़त मिली है। वहीं मनसे को 4 सीटों का नुकसान हुआ। पिछले चुनाव में मनसे को 9 सीटें मिली थी। इसी तरह पिछले चुनाव की तुलना में कांग्रेस और राकांपा भी माइनस में है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099